Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 9

सामाजिक विज्ञान

समकालीन भारत - I

अध्याय - 2
भारत का भौतिक स्वरूप

भाग - 4

प्रायद्वीपीय पठार

ओम प्रकाश खोजा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. भारत का भौतिक विभाजन
2. हिमालय पर्वत
3. उत्तरी मैदान
4. प्रायद्वीपीय पठार
5. भारतीय मरुस्थल
6. तटीय मैदान
7. द्वीप समूह

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रायद्वीपीय पठार



- **निर्माण :** पुराने क्रिस्टलीय, आग्नेय और रूपांतरित चट्टानें।
- गोंडवाना भूमि के टूटने निर्मित।
- इसलिए, यह सबसे पुराने भू-भाग का एक हिस्सा है।
- पठार में : -
  - ✧ चौड़ी और उथली घाटियाँ।
  - ✧ गोलाकार पहाड़ियाँ।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

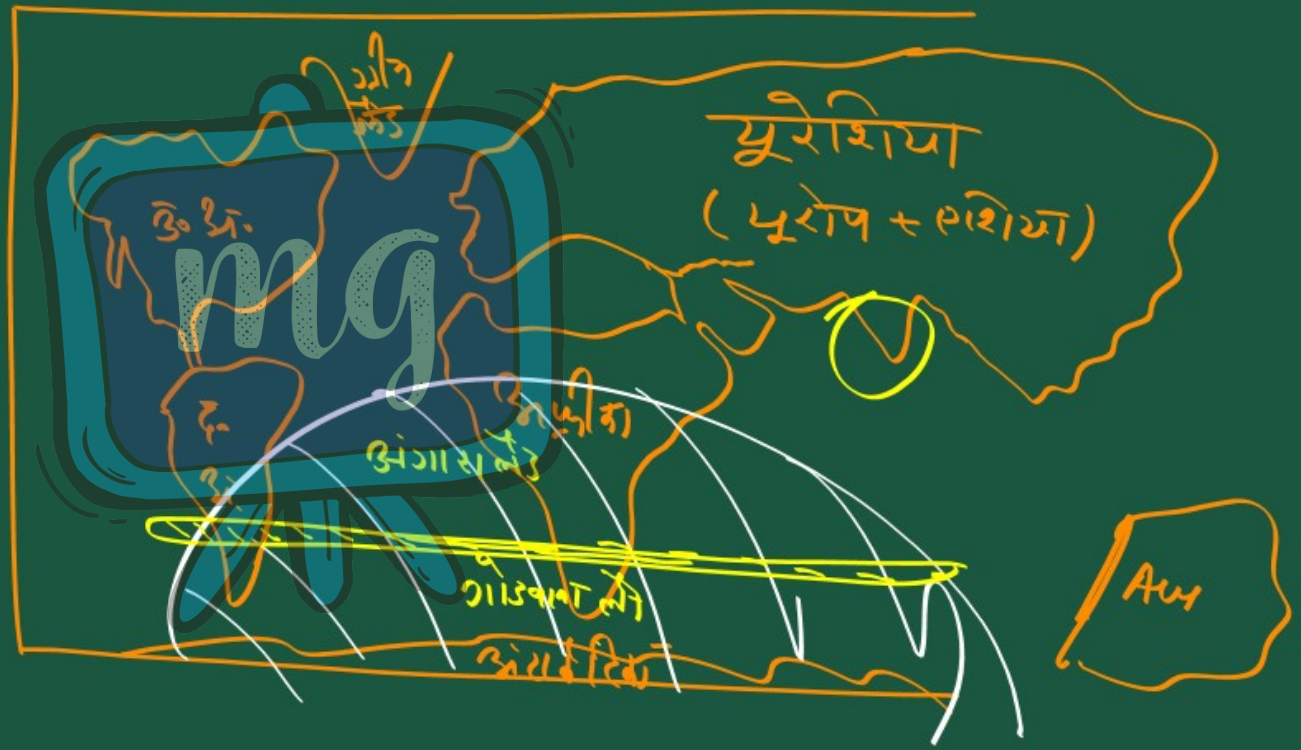

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

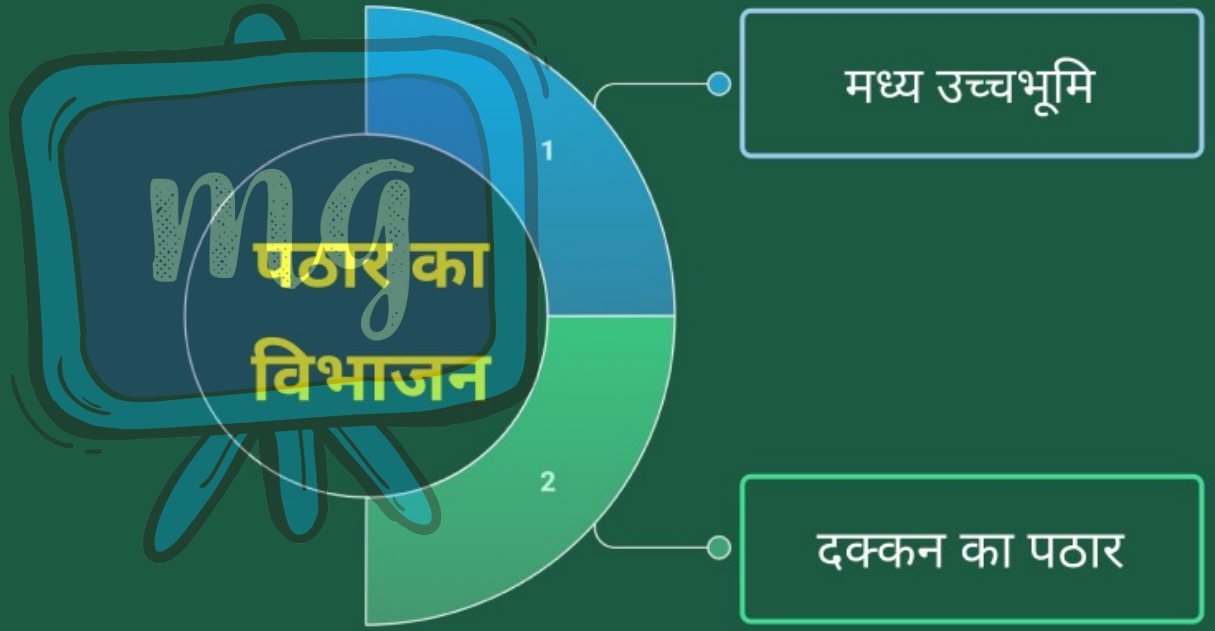

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

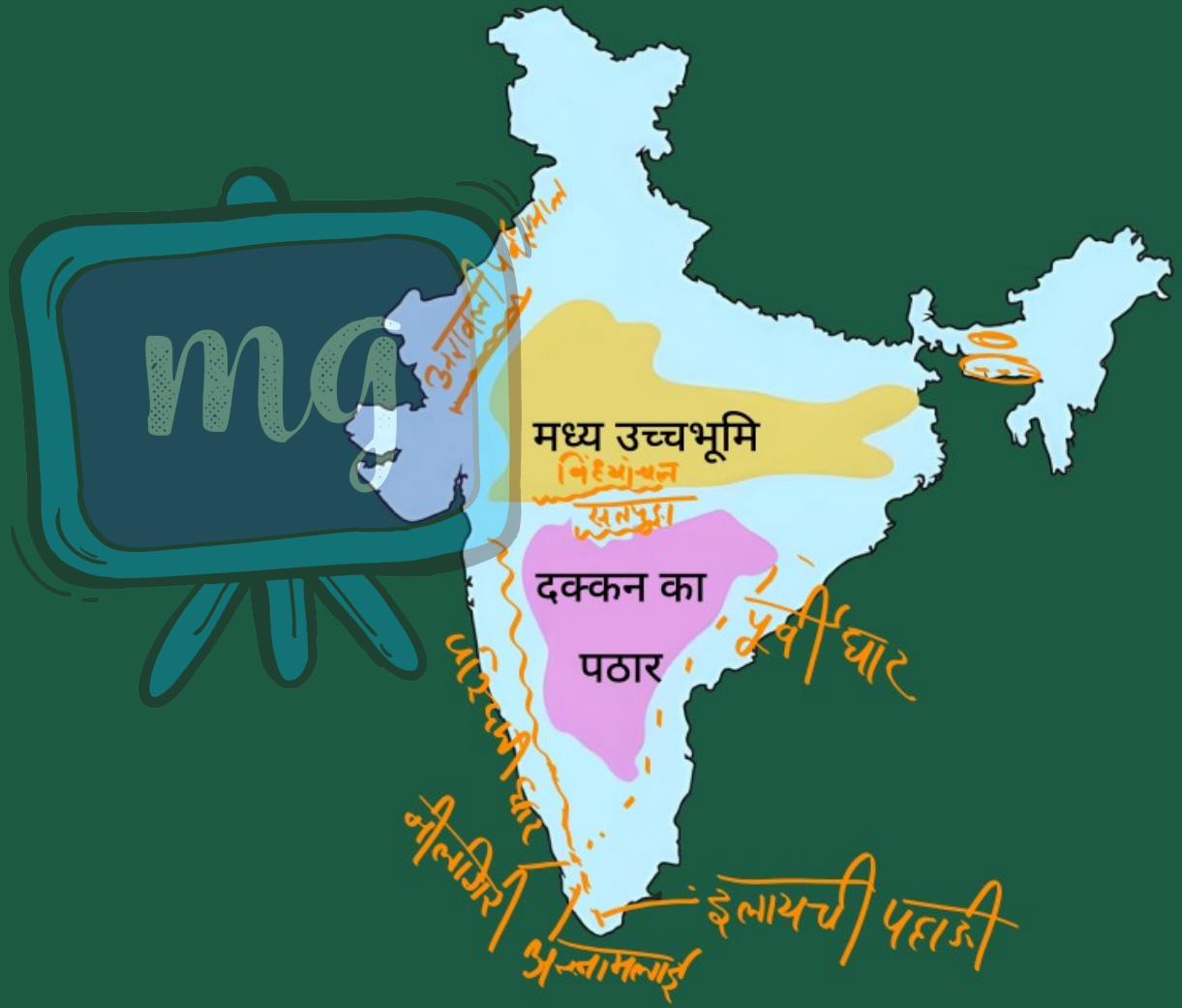

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मध्य उच्चभूमि



- नर्मदा नदी के उत्तर में स्थित है।
- मालवा पठार के एक बड़े क्षेत्र को कवर करता है।

mg
मध्यप्रदेश

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER





- विंध्य पर्वतमाला निम्नलिखित से घिरी हुई है: -
  - दक्षिण में सतपुड़ा पर्वतमाला।
  - उत्तर-पश्चिम में अरावली।
- पश्चिम की ओर विस्तार धीरे-धीरे राजस्थान के रेतीले और चट्टानी रेगिस्तान में विलीन हो जाता है।
- इस क्षेत्र की नदियाँ –
  - चंबल, सिंध, बेतवा, केन।
  - दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर बहती हैं।
  - ढाल - दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

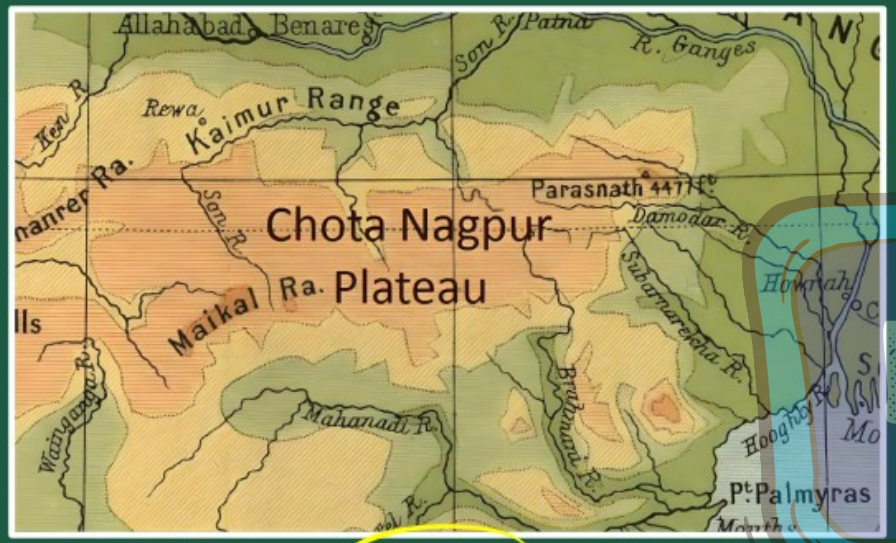

- चौड़ाई
  - पश्चिम में अधिक चौड़ी।
  - पूर्व में संकरी।
- पूर्व की ओर विस्तार
  - बुंदेलखंड पठार
  - बघेलखंड "
- छोटानागपुर पठार – झारखंड
  - पूर्व की ओर आगे विस्तार को चिह्नित करता है।
  - दामोदर नदी द्वारा अपवाहित।

TICO

खनिजों का भण्डार

लोह-इस्पात उद्योग

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

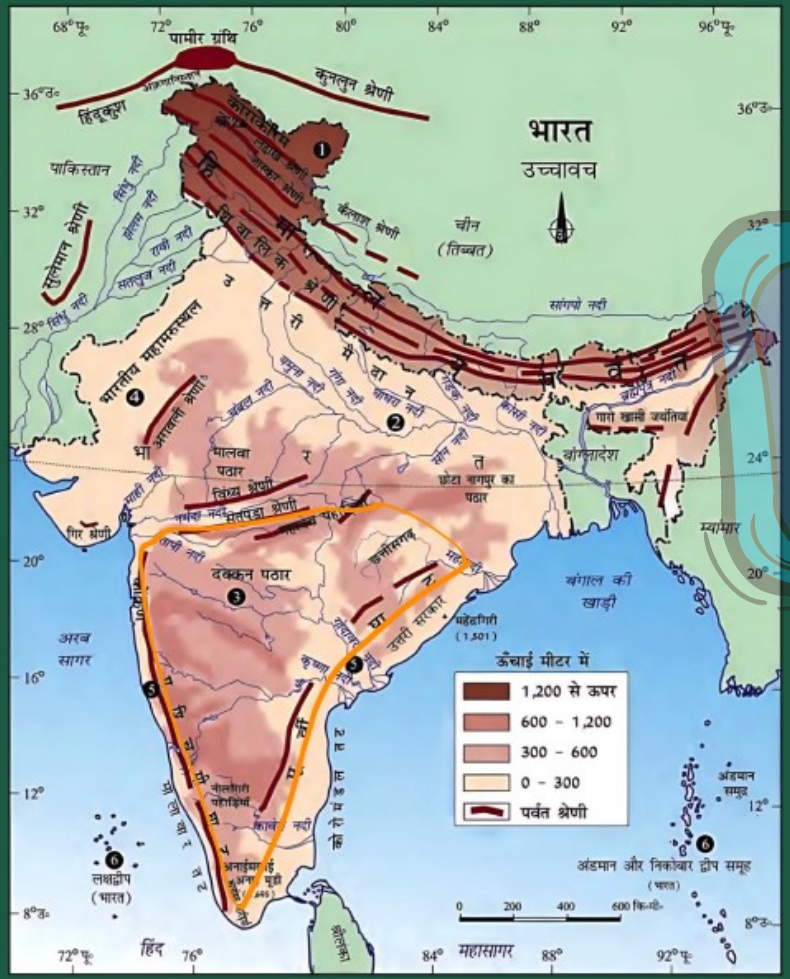

दक्कन का पठार

- त्रिकोणीय भू-भाग।
- नर्मदा नदी के दक्षिण में स्थित है।
- उत्तर में सतपुड़ा पर्वतमाला।
- पूर्वी विस्तार –

महादेव, कैमूर पहाड़ियाँ और मैकाल पर्वतमाला

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

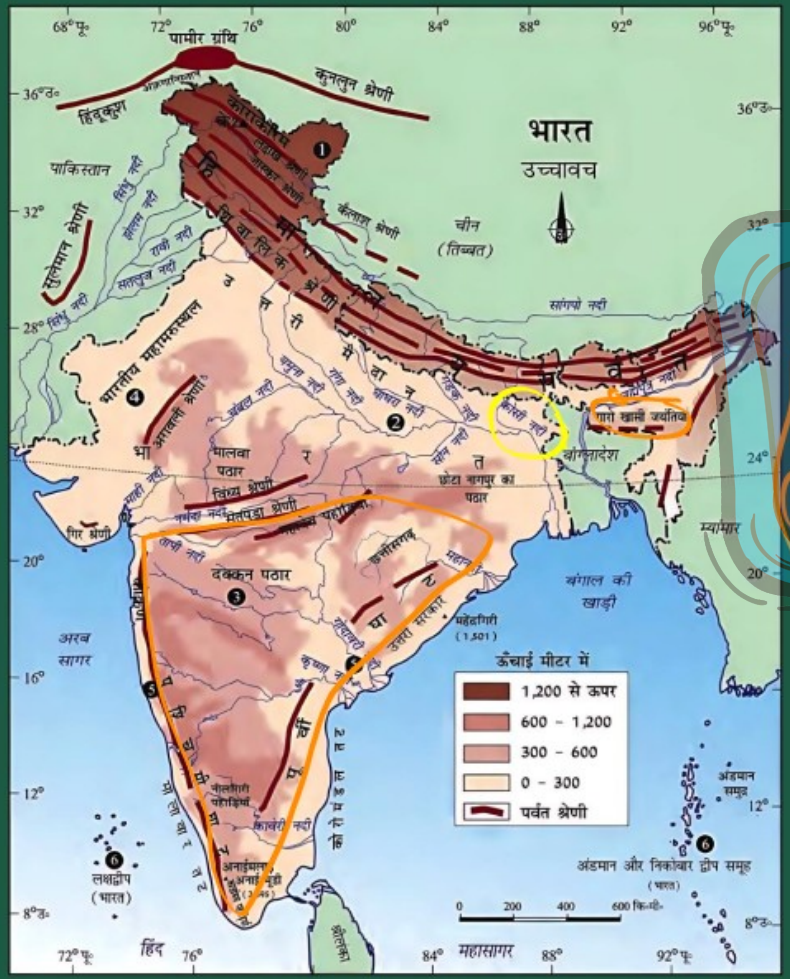

- दक्कन का पठार पश्चिम में ऊँचा है और धीरे-धीरे पूर्व की ओर झुकता है।
- उत्तर-पूर्व –
  - मेघालय पठार, कार्बी-एंगलोंग पठार, उत्तरी कचार पहाड़ियाँ
  - यह छोटानागपुर पठार से एक भ्रंश द्वारा अलग किया गया है।

मालदा गैप (भ्रंश)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तरी-पूर्वी पठार

- प्रमुख पहाड़ी श्रृंखलाएँ (पश्चिम से पूर्व की ओर)
  - गारो, खासी और जयंतिया पहाड़ियाँ।
- पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट क्रमशः दक्कन पठार के पश्चिमी और पूर्वी किनारों को चिह्नित करते हैं।

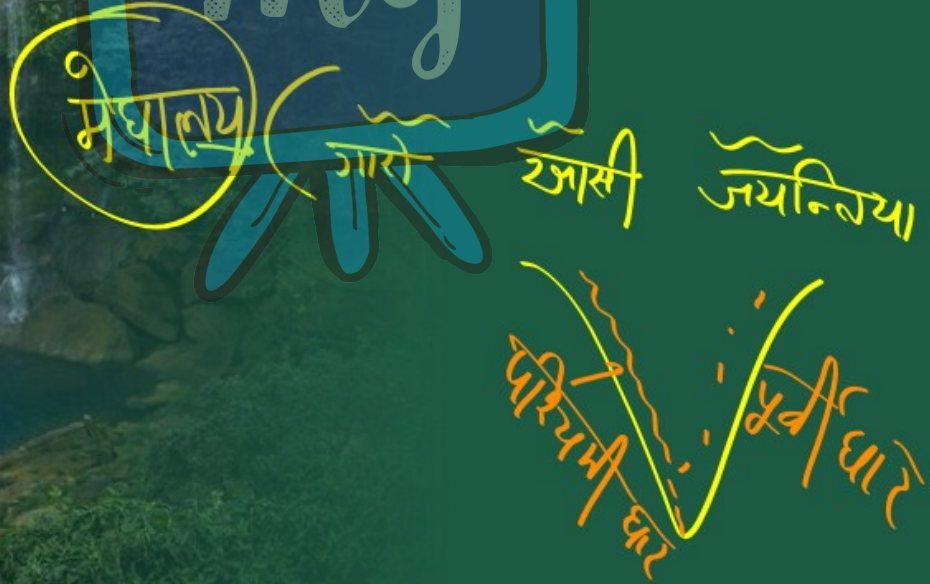

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

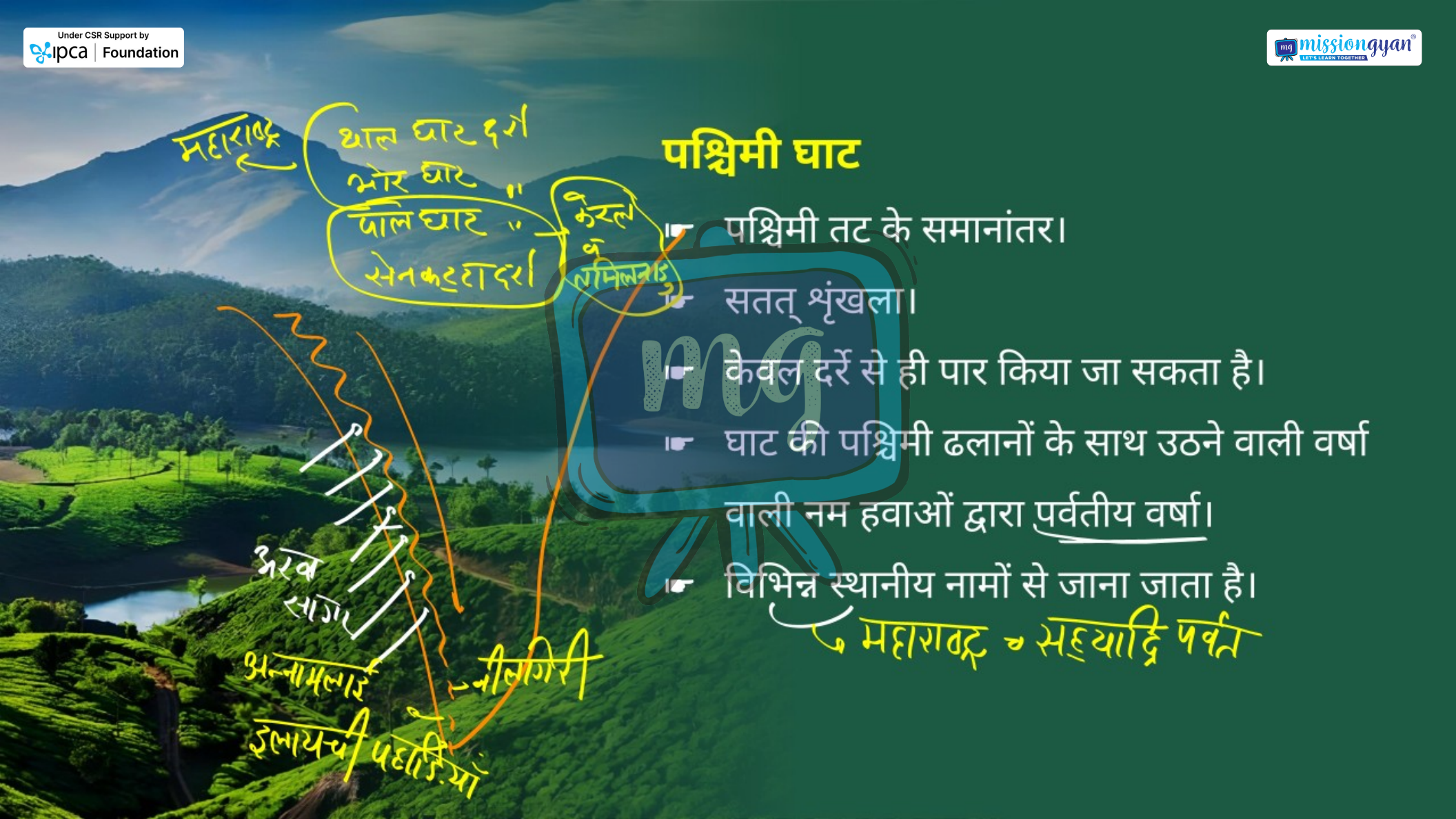

पश्चिमी घाट

- पश्चिमी तट के समानांतर।
- सतत् श्रृंखला।
- केवल दर्रे से ही पार किया जा सकता है।
- घाट की पश्चिमी ढलानों के साथ उठने वाली वर्षा वाली नम हवाओं द्वारा पर्वतीय वर्षा।
- विभिन्न स्थानीय नामों से जाना जाता है।
  - महाराष्ट्र - सह्याद्रि पर्वत

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- उत्तर से दक्षिण की ओर ऊँचाई उत्तरोत्तर बढ़ती जाती है।
- औसत ऊँचाई : 900-1600 मीटर।
- सबसे ऊँची चोटियाँ
  - अनाईमुडी (2,695 मीटर) → दक्षिणी भारत की सबसे ऊँ. पर्वत चोटी।
  - डोडा बेट्टा (2,637 मीटर)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

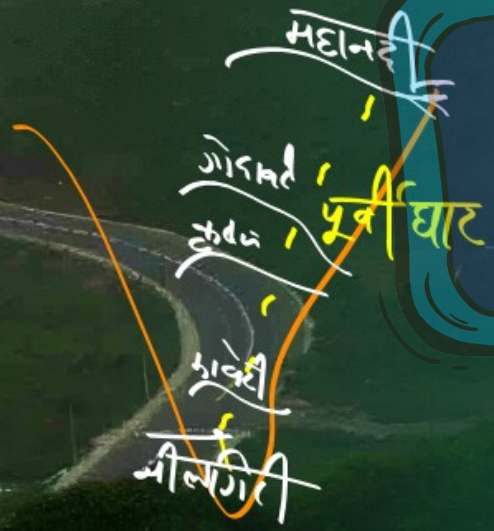

पूर्वी घाट

- महानदी घाटी से दक्षिण में नीलगिरि तक।
- असतत् और अनियमित।
- बंगाल की खाड़ी में बहने वाली नदियों द्वारा विच्छेदित।
- औसत ऊंचाई : 600 मीटर।
- सबसे ऊंची चोटी महेंद्रगिरि (1,500 मीटर)

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- शेवराय तथा जावेडी पहाड़ियाँ
  - पूर्वी घाट के दक्षिण-पूर्व में स्थित हैं।
- प्रसिद्ध हिल स्टेशन
  - ऊटी (उड्गमंडलम्)
  - कोडईकनाल

पलनी पहाड़ी

नलामला

तमिलनाडु

mg

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



दक्कन ट्रैप

- प्रायद्वीपीय पठार का काली मिट्टी वाला क्षेत्र
- ज्वालामुखी उत्पत्ति।
  (आग्नेय चट्टानें)
- ये चट्टानें समय के साथ अपरदित हो गई हैं और काली मिट्टी के निर्माण के लिए जिम्मेदार हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

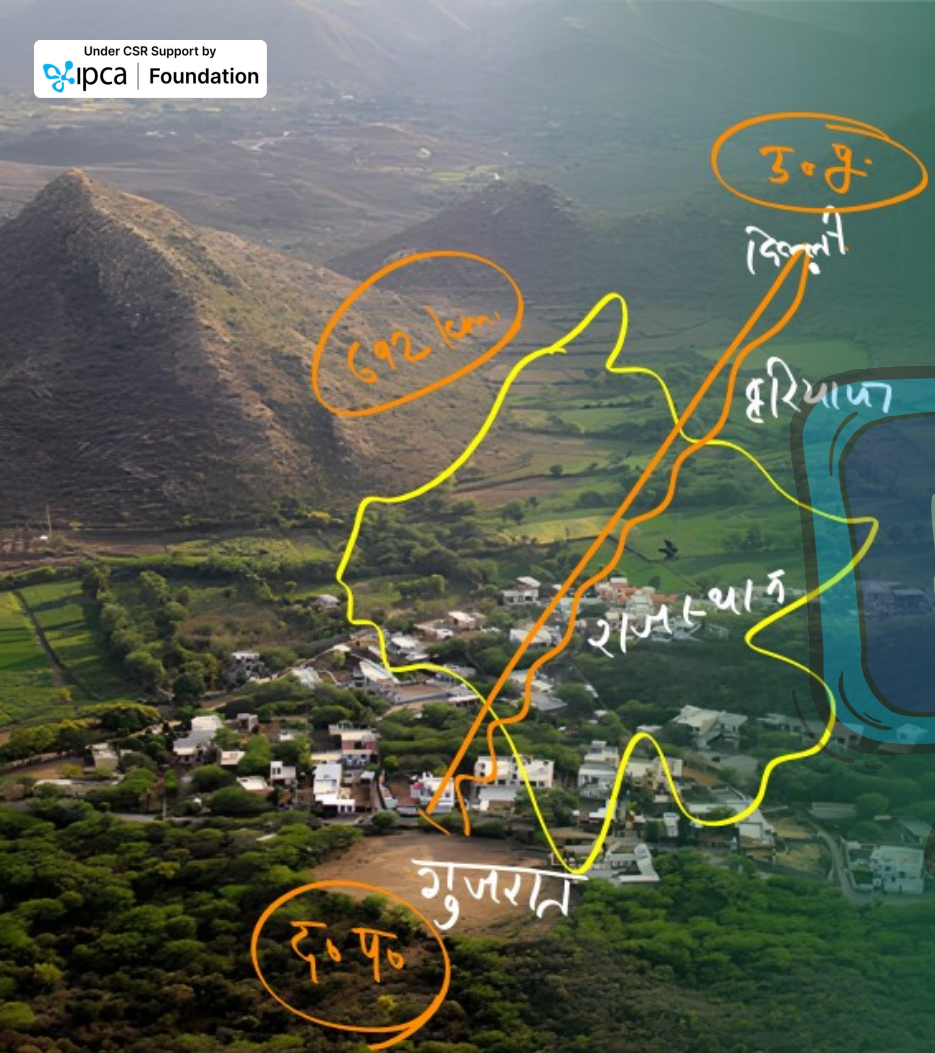

अरावली की पहाड़ियाँ

- प्रायद्वीपीय पठार के पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी किनारों पर स्थित है।
- अत्यधिक अपरदन वाली पहाड़ियाँ।
- खंडित पहाड़ियाँ।
- दक्षिण-पश्चिम-उत्तर-पूर्व दिशा में गुजरात से दिल्ली तक फैली हुई हैं।

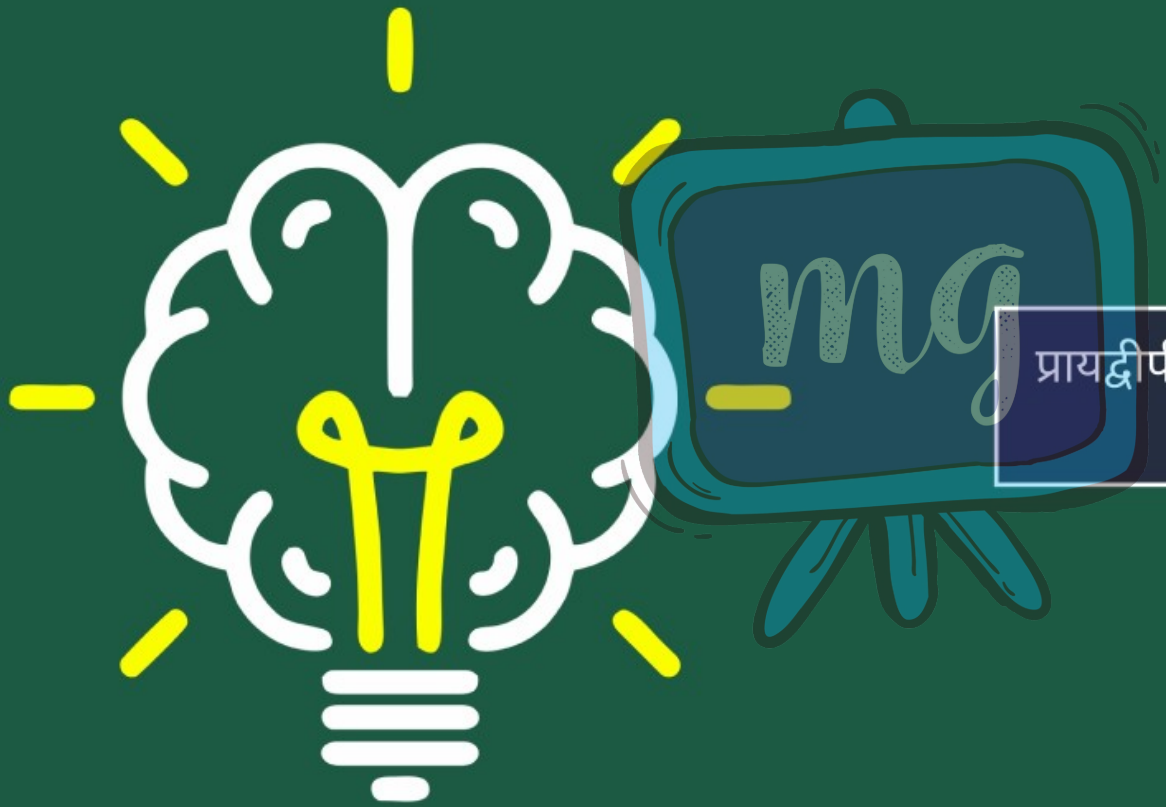

प्रायद्वीपीय पठार की भौगोलिक विशेषताएँ और विभाजन



1 ऊटी हिल स्टेशन कौनसे राज्य में हैं?

अ गुजरात

ब महाराष्ट्र → महाबलेश्वर

स राजस्थान → मा॰ आबू

द तमिलनाडु



2 अरावली की पहाड़ियाँ कौनसे राज्य में विस्तृत है?

अ मध्य प्रदेश

ब राजस्थान

स छत्तीसगढ़

द केरल

mg

गुजरात, हरियाणा, दिल्ली

नीलगिरी
अन्नामलाई
कार्डेमम हिल्स/इलायची